DAINIK BHASKAR, Surat, 18.1.2023
Page No. 2, Size:(9.96)cms X (7.29)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्टः 16 माह में एक पड़ाव पार, 25 किमी वायडक्ट तैयार, मंत्रालय ने इसे देश के लिए उपलब्धि बताया

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल परियोजना का एक पड़ाव मंगलवार को पूरा कर लिया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल (एनएचएसआरसीएल) ने इस परियोजना का 25 किमी वायडक्ट बनाने का काम पूरा कर लिया है। रेल मंत्रालय ने इसे देश के लिए उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य की शुरुआत जुलाई 2021 में हुई थी और मंगलवार को 25 किमी वायडक्ट बनकर तैयार हो गया। यही नहीं 133 किमी रूट पर पिलर भी खड़े कर लिए हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 18.1.2023
Page No. 2, Size:(11.88)cms X (13.28)cms.

प्रोजेक्ट: वडोदरा में 5.7 किमी, अन्य लोकेशनों पर 19.58 किमी पर कार्य पूरा

बुलेट ट्रेन मार्ग पर 25 किमी की लाइन पर वायडक्ट तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरीडोर (एमएएचएसआर) प्रोजेक्ट में बुलेट ट्रेन मार्ग पर 25 कि.मी. की लाइन पर वायडक्ट लगाने का काम पूरा कर लिया गया हैं। इस प्रोजेक्ट में जून 2026 तक सूरत-बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन शुरू होने की संभावना जताई गई है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन को मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलाने के लिए निर्माण कार्य भी तेज गति से चल रहा हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचआर सीएल) की ओर से इस कार्य के लिए अधिकारियों के साथ इंजीनियरों, कारीगरों व श्रमिकों की फौज उतारी गई हैं। बुलेट ट्रेन के साइट पर दिन-रात कार्य चल रहा हैं। अधिकारियों के मुताबिक, गुजरात और डीएनएच के 8 जिलों से गुजरने वाले पूरे 352 किलोमीटर संरेखण के लिए वायाडक्ट, पुलों, स्टेशनों और ट्रैक के निर्माण के लिए सिविल, पुलों और ट्रैक के लिए 100 फिसदी अनुबंध 2 साल की अवधि में दिए गए हैं।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए पहला सिविल अनुबंध (सी-4 पैकेज) 28 अक्टूबर 2020 को दिया गया था और अनुबंध समझौते पर 26 नवंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे। अहमदाबाद के साबरमती, कालूपुर, आणंद, नडियाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा और वापी सहित 8 स्टेशन के बीच निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा हैं। 348 किलोमीटर में से गुजरात में 99 किमी, दादरा और नगर हवेली में 4 किमी में 100 फीसदी जमीन अधिग्रहित की जा चुकी हैं। गुजरात और डीएनएच में एलिवेटेड हाई स्पीड रेलवे ट्रैक की कुल लंबाई 352 किमी होगी। कुल 508 किमी में से बुलेट ट्रेन गुजरातभर में 348, दादरा और नगर हवेली में 4 किलोमीटर तथा महाराष्ट्र में 156 किमी की दूरी तय करेगी। बुलेट ट्रेन की अधिकतम स्पीड 320 किमी प्रति घंटा होने का अनुमान हैं। बुलेट ट्रेन में मुंबई से अहमदाबाद की दूरी 2.07 घंटे में और सभी स्टेशनों पर रुकते हुए 2.58 घंटे में पहुंचेगी। गौरतलब हैं कि रेल मंत्रालय ने जून 2026 तक सूरत से बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच ट्रायल रन शुरू होगा।

154.3 किमी तक का फाउंडेशन तैयार

गुजरात में एमएएचएसआर परियोजना की स्थिति 16 जनवरी तक पाइल 236.6 किमी की लंबाई में डाला गया है, 154.3 किमी से अधिक फाउंडेशन और 133.8 किमी की दूरी पर पियर्स का निर्माण किया गया हैं। गर्डर कास्टिंग में 1110 गर्डर 44.4 किमी से अधिक तक डाले गए हैं। मार्ग पर नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर पुल का काम चल रहा है।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 18.1.2023
Page No. 2, Size:(11.88)cms X (13.28)cms.

प्रोजेक्ट: वडोदरा में 5.7 किमी, अन्य लोकेशनों पर 19.58 किमी पर कार्य पूरा

बुलेट ट्रेन मार्ग पर 25 किमी की लाइन पर वायडक्ट तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरीडोर (एमएएचएसआर) प्रोजेक्ट में बुलेट ट्रेन मार्ग पर 25 कि.मी. की लाइन पर वायडक्ट लगाने का काम पूरा कर लिया गया हैं। इस प्रोजेक्ट में जून 2026 तक सूरत-बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन शुरू होने की संभावना जताई गई है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन को मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलाने के लिए निर्माण कार्य भी तेज गति से चल रहा है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचआर सीएल) की ओर से इस कार्य के लिए अधिकारियों के साथ इंजीनियरों, कारीगरों व श्रमिकों की फौज उतारी गई है। बुलेट ट्रेन के साइट पर दिन-रात कार्य चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, गुजरात और डीएनएच के 8 जिलों से गुजरने वाले पूरे 352 किलोमीटर संरेखण के लिए वायाडक्ट, पुलों, स्टेशनों और ट्रैक के निर्माण के लिए सिविल, पुलों और ट्रैक के लिए 100 फिसदी अनुबंध 2 साल की अवधि में दिए गए हैं।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए पहला सिविल अनुबंध (सी-4 पैकेज) 28 अक्टूबर 2020 को दिया गया था और अनुबंध समझौते पर 26 नवंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे। अहमदाबाद के साबरमती, कालूपुर, आणंद, नडियाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा और वापी सहित 8 स्टेशन के बीच निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है। 348 किलोमीटर में से गुजरात में 99 किमी, दादरा और नगर हवेली में 4 किमी में 100 फीसदी जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। गुजरात और डीएनएच में एलिवेटेड हाई स्पीड रेलवे ट्रैक की कुल लंबाई 352 किमी होगी। कुल 508 किमी में से बुलेट ट्रेन गुजरातभर में 348, दादरा और नगर हवेली में 4 किलोमीटर तथा महाराष्ट्र में 156 किमी की दूरी तय करेगी। बुलेट ट्रेन की अधिकतम स्पीड 320 किमी प्रति घंटा होने का अनुमान है। बुलेट ट्रेन में मुंबई से अहमदाबाद की दूरी 2.07 घंटे में और सभी स्टेशनों पर रुकते हुए 2.58 घंटे में पहुंचेगी। गौरतलब है कि रेल मंत्रालय ने जून 2026 तक सूरत से बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच ट्रायल रन शुरू होगा।

154.3 किमी तक का फाउंडेशन तैयार

गुजरात में एमएएचएसआर परियोजना की स्थिति 16 जनवरी तक पाइल 236.6 किमी की लंबाई में डाला गया है, 154.3 किमी से अधिक फाउंडेशन और 133.8 किमी की दूरी पर पियर्स का निर्माण किया गया है। गर्डर कास्टिंग में 1110 गर्डर 44.4 किमी से अधिक तक डाले गए हैं। मार्ग पर नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर पुल का काम चल रहा है।

TORQUE

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 19.1.2023
Page No. 5, Size:(14.27)cms X (6.23)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

बुलेट ट्रेन: एलिवेटेड ट्रैक का निर्माण कार्य प्रगति पर

वडोदरा में 5.7 किमी लाइन पर वायडक्ट लगाने का काम पूरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एचएसआर-बुलेट ट्रेन) के कॉरिडोर प्रोजेक्ट का एक अहम पड़ाव पूरा कर लिया गया। वडोदरा में 5.7 किमी व विभिन्न स्थानों पर 19.58 किमी सहित कुल 25.28 किमी लाइन पर वायडक्ट (पुल) लगाने का काम मंगलवार को पूरा किया गया है।नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के सूत्रों के अनुसार इंजीनियरों और कामगारों-श्रमिकों के कठोर परिश्रम, लगन और देश के विकास के लिए प्रतिबद्धता से यह उपलब्धि हासिल हुई है। गुजरात के 8 जिलों में 352 किलोमीटर एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के लिए पुल, स्टेशनों और ट्रैक के निर्माण के लिए 100 फीसदी अनुबंध 2 वर्ष की अवधि में किया गया है। परियोजना के लिए पहला सिविल अनुबंध (सी-4 पैकेज) 28 अक्टूबर 2020 को प्रदान किया गया था और अनुबंध समझौते पर 26 नवंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे।

नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम तेज

गुजरात में 25.28 किमी लंबा वायडक्ट लगाने का काम मंगलवार को पूरा हुआ है। गुजरात और दादरा नगर हवेली में निर्माण कार्य जोरों पर जारी है। वापी से साबरमती तक 8 एचएसआर स्टेशनों पर काम निर्माण विभिन्न चरणों में जारी है। 236.6 किमी की लंबाई में पाइल, 154.3 किमी से अधिक फाउंडेशन और 133.8 किमी की दूरी पर पियर्स का निर्माण किया गया है। 44.4 किमी से अधिक लंबाई तक 1110 गिर्डर तक लगाए गए हैं। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर पुल निर्माण का काम प्रगति पर है।

NAV-BHARAT, Mumbai, 25.1.2023
Page No. 4, Size:(13.53)cms X (9.25)cms.

बुलेट ट्रेन : आकार ले रहे ब्रिज

महाराष्ट्र में जल्द होगी शुरुआत, गुजरात में काम तेज

■ सूर्यप्रकाश मिश्र @ नवभारत

मुंबई. पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना को रफ्तार मिल रही है. 508.17 किमी लंबे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर कई रिवर ब्रिज आकार ले रहे हैं. बताया गया कि एमएएचएसआर कॉरिडोर पर पहला रिवर ब्रिज 70% से ज्यादा तैयार हो गया है. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का 384.04 किमी हिस्सा गुजरात में, 155.76 किमी हिस्सा महाराष्ट्र में और 4.3 किमी हिस्सा दादरा नगर हवेली में है. गुजरात तथा दादरा और नगर हवेली में 352 किमी के लिए सिविल और ट्रैक का काम शुरू है. गुजरात-महाराष्ट्र सीमा के पास वलसाड़ में 'पार नदी' पर पहले ब्रिज ने आकार ले लिया है. एनएचआरसीएल की मुख्य प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने बताया कि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर पुल निर्माण का कार्य प्रगति पर है. पहला ब्रिज जिस 'पार नदी' पर बन रहा है, उसकी चौड़ाई 320 मीटर है. इसमें 8 फुल स्पैन गर्डर्स (प्रत्येक 40 मीटर) के लगाए जा रहे हैं. पियर्स की ऊंचाई 14.9 से 20.9 मीटर है, जबकि गोलाकार पिएर्स का डायामीटर 4-5 मीटर है. गुजरात के 8 जिलों में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है. नदियों पर पुल बनाए जा रहे हैं. यहां तक पटरियां बिछाने का काम भी शुरू हो गया है. गुजरात के 8 जिलों में एलाइनमेंट के साथ-साथ पाइलिंग, फाउंडेशन, पियर, पियर कैप्स, वायडक्ट और स्टेशनों के लिए गर्डरों की कास्टिंग और इरेक्शन का कार्य तेजी से चल रहा है. वापी से साबरमती तक सभी 8 एचएसआर स्टेशनों पर कार्य निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं. सूरत डिपो सभी 128 फाउंडेशन पूरे हो चुके हैं. सूरत और आनंद एचएसआर स्टेशनों पर प्रत्येक 50 मीटर के पहले रेल स्तर के स्लैब डाले गए हैं.

508.17
किमी लंबा है कॉरिडोर

384.04
किमी हिस्सा है गुजरात में

155.76
किमी हिस्सा महाराष्ट्र में

320
मीटर है 'पार नदी' की चौड़ाई

BKC से शिलफाटा तक सुरंग

महाराष्ट्र में 98.76% भूमि अधिग्रहण हो चुका है. बीकेसी से ठाणे के शिलफाटा तक 21 किमी लम्बी सुरंग बनाई जाएगी. मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल के लिए टीबीएम और एनएटीएम का उपयोग कर 7 किमी अंडर-सी टनल भी बनेगा.

2027 तक का लक्ष्य

2017 में शुरू हुई बुलेट ट्रेन परियोजना को 2023 तक पूरा करना था, लेकिन विभिन्न कारणों से इसकी डेडलाइन 2027 कर दी गई है. बुलेट ट्रेन के रास्ते में 12 स्टेशन होंगे, जिनमें से 8 गुजरात में, 4 स्टेशन महाराष्ट्र में बनने हैं. NHRCL अधिकारियों के अनुसार शुरू में यह परियोजना की लागत बढ़ रही है.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन : एक झलक

- कॉरिडोर की कुल लंबाईः 508.17 किमी
- अधिकतम परिचालन गतिः 320 किमी/घंटा

स्टेशनों की संख्याः 12

- गुजरात में 8 वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद/नडियाद, अहमदाबाद और साबरमती.
- महाराष्ट्र में 4 मुंबई (बीकेसी), ठाणे, विरार और बोइसर.

डिपो की संख्या 3

- गुजरात में सूरत और साबरमती
- महाराष्ट्र में ठाणे

SANDESH, Surat, 18.1.2023
Page No. 2, Size:(7.02)cms X (9.68)cms.

Bullet train project completed the viaduct installation over 25 km.

૨૩૬ કિમી પાઈલ વર્ક, ૧૩૪ કિમી પિલર વર્ક પૂરું

બુલેટ ટ્રેનનો પહેલો પડાવ પૂર્ણ ૨૫ કિમી વાયડક્ટ બનીને તૈયાર

| સુરત |

બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી બુલેટ ગતિએ આગળ ધપી રહી છે. ૨૫.૨૮ કિલોમીટર વાયડક્ટ તૈયાર થવા સાથે પહેલો પડાવ પૂર્ણ થઈ ગયો છે. અત્યાર સુધીમાં ૨૫.૨૮ કિમી વાયડક્ટ, ૨૩૬.૬ કિમી પાઈલ વર્ક અને ૧૩૩.૮ કિમી વિસ્તારમાં પિલર ઊભા કરી દેવામાં આવ્યા છે. આ ઉપરાંત ૮ રેલવે સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી પણ પુરજોશમાં ચાલી રહી છે.

મુંબઈ-અમદાવાદ હાઈ સ્પીડ રેલ કોરિડોર પ્રોજેક્ટની કામગીરી ઝડપથી આગળ વધી રહી છે. વાયડક્ટ બનાવવાની કામગીરી ૨૦૨૧માં શરૂ કરવામાં આવી હતી. જે એક વર્ષના અંતે ૨૫ કિલોમીટર વાયડક્ટની કામગીરી પૂર્ણ કરી દેવામાં આવી છે. એન્જિનિયરોની ટીમ અને કર્મચારીઓની અથાગ મહેનતને પગલે બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી પુરજોશમાં આગળ ધપી રહી છે.